कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 1993020

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 4-मार्च 2017

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंको का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

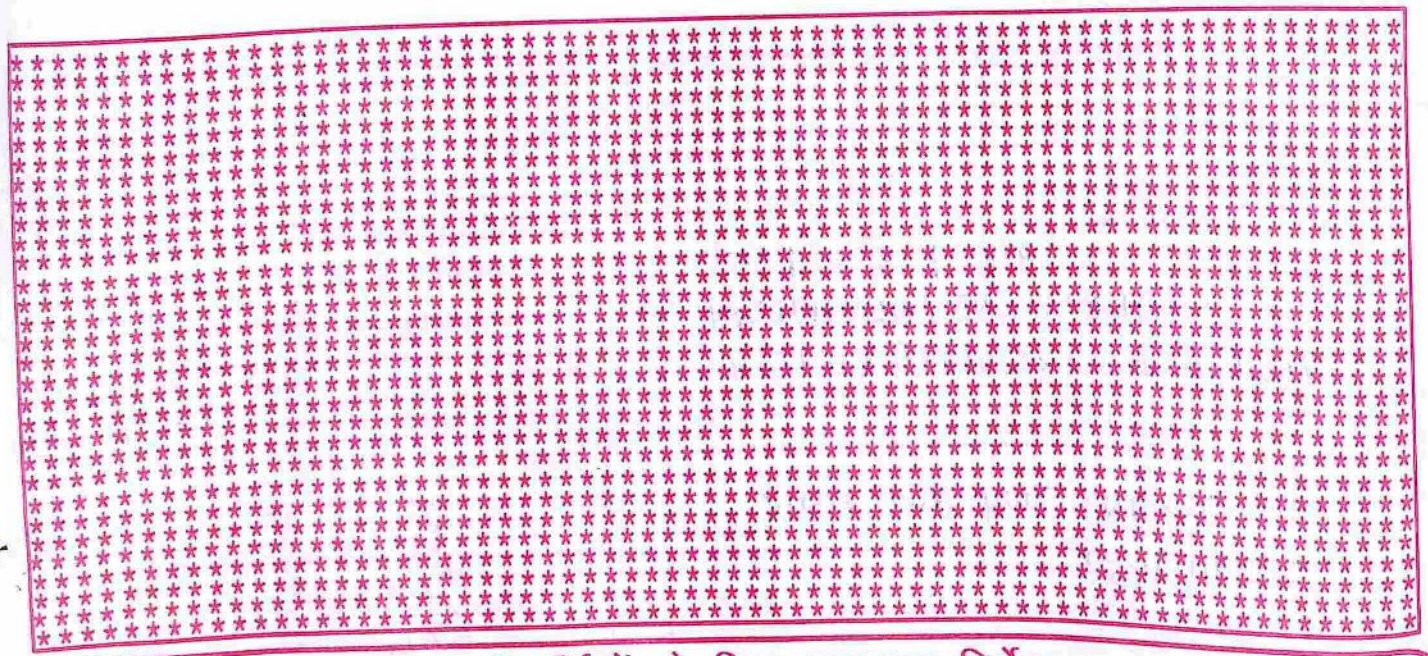

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड (ग)

प्र० 8 जन्म से ही - - - - - - - - - - - - - रंध्रों के सहारे।

(अ) बच्चे जन्म से ही अपने साथ कपास लाते है क्योंकि वे जन्म से मिद्ध कोमल, निर्मल, सरल स्वभाव के होते हैं। अर्थात् जिस प्रकार कपास मुलायम और कोमल होता है, वह गिरने पर टूटता नहीं है, इसी प्रकार बच्चे भी जब गिरते है तो उन्हे कम पीड़ा होती है। इसलिए बच्चे जन्म से ही कपास लाते है।

(ब) इस से कवि आलोकधन्वा का तात्पर्य यह है कि जब बच्चे पतंग उड़ाते है और जब उनकी पतंग ऊँचाई को प्राप्त कर लेती है तो बच्चो में जोश और उत्साह उत्पन्न हो और वे छत पर इस तरह भागते है जैसे विभिन्न विभिन्न दिशाओं में मृदंग बज रहा हो। अर्थात् उनके पैरों से मृदंग के समान आवाज उत्पन्न होती है।

(स) जब बच्चे पतंग उड़ाते है तो कभी-कभी वे छतों के किनारें पर पहुँच जाते है, उस समय उन्हे उनका उत्साह, उमंग गिरने से बचाता है तथा पतंग का धागा भी उन्हें उस समय गिरने से बचाता है।

(द) जब बच्चे पतंग उड़ाते है, तो उनमें उत्साह, उमंग रहती है और जब उनकी पतंग ऊँचाई को प्राप्त करती है तो उनका बाल मन उस पतंग के साथ उड़ता है और वे सब कुछ भूल जाते है इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे भी पतंग के साथ उड़ रहे है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.9 बार बार ---------- हुंकार

(अ) भाव →

उपर्युक्त पंक्तियों का भाव यह है कि जब बार-बार गर्जन और मूसलाधार बरसात होती है, तो उससे संसार भयभीत हो जाता है। अर्थात् कहने का तात्पर्य यह है कि जब क्रांति होती है, तो उससे शोषक अर्थात् पूंजीपति लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि निम्न वर्ग पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

(ब) शिल्प सौंदर्य →

भाषा → उपर्युक्त काव्यांश में तत्सम व तद्भवों से युक्त खड़ी बोली हिन्दी है। वज्रहुंकार सामासिक पद।

शैली →

इसमें प्रतीकात्मक व वर्णनात्मक शैली है।

छन्द → काव्यांश में मुक्त छंद है अर्थात् कोई छंद नही है।

अलंकार – (i) बार-बार → पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

(ii) सुन-सुन → पुनरुक्ति प्रकाश।

काव्य गुण → ओज गुण

काव्य शैली/रीति → गौड़ी काव्य शैली रीति है।

बिंब → 1. सुन-सुन वो वज्र हुंकार → श्रव्य बिंब

2. बार-बार गर्ज → श्रव्य बिंब

3. हृदय थाम लेता संसार → दृश्य बिंब।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र(10)

(ब) "देख आईने में चाँद उतर आया है" इस पंक्ति के माध्यम से फ़िराक गोरखपुरी ने माँ-बेटे के बीच वात्सल्य को दर्शाया है। माँ अपने बच्चे को आईने में चाँद दिखाकर कहती है कि देख आईने में चाँद उतर आया है। अर्थात् एक माँ के लिए अपना बेटा दुनिया की सबसे सुन्दर वस्तु है।

(स) 'भाषा को सहूलियत से बरतना' कथन से तात्पर्य भाषा अर्थात् कथ्य को सरल, सहज भाषा में व्यक्त करने से है अर्थात् एक कथ्य को हमें सरल भाषा में व्यक्त करना चाहिए।

प्र०11 यहाँ ------ शिकार होता है।

(अ) वे लोग जिन्हें अपनी आवश्यकताओं का पता नहीं होता है और अपनी पर्चेजिंग पावर पर गर्व करते हैं और अनावश्यक वस्तुएँ खरीदते हैं। ऐसे लोग विनाशक शैतानी शक्ति बाजार को देते हैं।

(ब) बाजार से लाभ वे व्यक्ति उठा सकते हैं जिन्हें अपनी आवश्यकताओं का पता होता है अर्थात् वे जानते हैं कि "वे क्या चाहते हैं"। ऐसे लोग ही बाजार को सार्थकता देते हैं

P.T.O

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(स) जब व्यक्ति अपनी पर्चेजिंग पावर का उपयोग कर अनावश्यक वस्तु खरीदते है तो उससे बाजारूपन बढ़ने लगता है और उसका मतलब कपट बढ़ता है उससे सद्भावना घटती है। ग्राहक और बेचक एक दूसरे को ठगने लगते है तथा एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है, ऐसी स्थिति में बाजार में शोषण बढ़ता है।

प्र०12
(अ) 'काले मेघा पानी दे' निबंध

(ब) 'उसने क्षत्रिय का काम किया है' ये शब्द राजा साहब ने लुट्टन पहलवान के लिए कहे है। क्योंकि उसने क्षत्रिय का काम किया।
जब लुट्टन पहलवान ने पंजाब से आये पहलवान चाँद सिंह, जो 'शेर के बच्चे' की टायटल प्राप्त किए हुए था, उसको उसने (लुट्टन) दंगल मे हरा दिया था।

(स) सफिया के भाई ने नमक ले जाने से इसलिए मना किया क्योंकि — (i) पाकिस्तान से भारत में नमक ले जाना गैर कानूनी था। (ii) भारत में पाकिस्तान से ज्यादा नमक था इसलिए उसने नमक ले जाने से मना किया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) पाकिस्तान में भारत की अपेक्षा नमक कम था इसलिए यदि सकिया नमक भारत में ले जाती तो सम्भवत पुलिस उसे पकड़ लेती और सबकी बदनामी होती। इस कलंक से बचने के लिए उसने नमक ले जाने से मना किया।

(द) शिरीष के फूल नामक निबंध में जिस प्रकार शिरीष आँधी, लू, गर्मी और सर्दी में अविचल रहकर अपने कोमल पुष्पों का सौंदर्य बिखेरता रहता है तथा हर परिबाह्य कठनाइयों का सामना करता है।

इसी प्रकार, हमें शिरीष के पेड़ से यह शिक्षा मिलता है कि — हमें बाह्य परिस्थितियों का सामना करना चाहिए, उनसे घबराना नहीं चाहिए। जिजीविषा जिजीविषा रहने की शिक्षा मिलती है।

प्रश्न (3)

(अ) 'सिल्वर वैडिंग' पाठ का बयानक आधुनिक-पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों पर आधारित है' यह कथन पूर्णरूपेण सत्य है।

यशोधर बाबू पुरानी परम्पराओं अपनाने वाला व्यक्ति है जबकि उसके बच्चे पाश्चात्य संस्कृति को अन्धाधुंध अपना रहे हैं।

उस पाश्चात्य संस्कृति के कारण मानवीय मूल्यों

P.T.O

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ह्रास हो रहा है। और इस प्रकार नयी और पुरानी पीढ़ी के मध्य मतभेद चलता रहता है जिस प्रकार यशोधर बाबू तथा उनके बच्चों के मध्य मत भेद होता है। इन मतभेदों के कारण यशोधर बाबू जल्दी घर नहीं पहुँचते हैं।

इस कहानी में पाश्चात्य संस्कृति अपनाने के कुछ उदाहरण है जैसे—

(i) यशोधर बाबू कहते है कि सिल्वर वैडिंग हमारे यहाँ थोड़ी होता है लेकिन उसके बच्चे घर पर सिल्वर वैडिंग मनाते हैं।

(ख) लेखक आनंद यादव संघर्ष करके अपने जीवन को उत्कृष्ट बनाता है, इससे हम पूर्ण रूप से सहमत है क्योंकि आनंद यादव को अपने जीवन में अनेक संघर्ष करने पड़े। वह अपनी खेती में अनेक प्रकार के कार्य करता है इसके बावजूद वह विद्याल जाना चाहता है इसके लिए— वह दत्ताजीराव के घर जाता है और अपनी समस्या को बताता है।

वह जब अपने विद्यालय जाता है तो वहाँ भी बच्चे उसको परेशान करते है इसके लिए वह संघर्ष करता है। दो महीने में वह अपनी पूरी तैयारी करके पास होना चाहता है।

इस प्रकार हम कह सकते है कि वह हर कदम पर संघर्ष करता है और अपना जीवन सफल बनाता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र(14)

(अ) ऐन फ्रैंक एक छोटी लड़की थी इसलिए वह अपने परिवार के साथ मन की बात नहीं कर पाती थी। डसेल हमेशा उसको संदेश देता रहता है जबकि उसकी माँ भी उसे डांटती थी।
इस प्रकार वह एक उपेक्षित लड़की थी इसलिए उसने अपनी गुड़िया को सम्बोधित करके डायरी लिखी।

(स) लेखक आनन्द यादव ने पाठशाला में नाम लिखाने के लिए निम्न उपाय किये - पहले वह अपनी माँ के साथ दत्ता जी राव के घर गया और उसे सारी समस्या बतायी।
इसके बाद उसने अपने पिता की अनेक शर्तों को स्वीकार किया - ग्यारह बजे तक खेत में पानी लगाना, अधिक कार्य होने पर विद्यालय न जाना आदि।

प्र(15)

(ब) नयी पीढ़ी और नवीन जीवन मूल्यों के मध्य तथा पुरानी पीढ़ी तथा प्राचीन जीवन मूल्य ! इन दोनों के मध्य सदैव टकराव चलती रहती है इसप क्योंकि नवीन पीढ़ी आज पाश्चात्य संस्कृति को अन्धाधुंध अपना रही है जबकि पुरानी पीढ़ी निस्तेज खड़ी है, और इससे जीवन मूल्य घटते जा रहे हैं। इससे पुरानी मानवीय संस्कृति नष्ट हो रही है। इन दोनों के मतभेदों को निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है → (i) यशोधर बाबू के बच्चे साइकिल का

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विरोध करते है जबकि यशोधर बाबू उसे छोड़ना नहीं चाहते।

(iii) यशोधर बाबू अपनी सिल्वर वेडिंग को मनाना पसंद नहीं करते है क्योंकि यह एक प्रकार की पाश्चात्य संस्कृति है।

इन मतभेदों के कारण ही यशोधर बाबू घर जल्दी नहीं लौटते हैं।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड (ख)

(4) प्रतिवेदन 'स्वतन्त्रता दिवस'

जयपुर, 16 अगस्त —

बिते हुए कल हमारे विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। उस दिवस को मनाने के लिए विद्यार्थियों को पहले से ही सूचित कर दिया गया। स्वतन्त्रता दिवस मनाने से पहले हमारे विद्यालय को सजाया गया और आवश्यकता अनुसार रंग रोगन कराया।

स्वतंत्रता दिवस पर हमारे विद्यालय में जिला कलेक्टर आये, जो मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। उसके बाद विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। कार्यक्रम के बाद मुख्य अतिथि ने भाषण दिया तथा हमारे महापुरुष — महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री व जवाहर लाल नेहरू के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि ने अनेक विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से हुआ।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र(5) पत्रांक- 2/815
दिनांक- 4 मार्च 2017

प्रेषक - कपिल
मोहल्ले का निवासी

प्रेषिति : पुलिस अधिकारी।

सेवा में,
श्रीमान् पुलिस अधिकारी महोदय,
थाना कोतवाल, जयपुर।

विषय→ मोहल्ले में बढ़ती चोरियों के संदर्भ में,

महोदय,

विषयान्तर्गत निवेदन है हमारा — कि मैं कपिल एक जिम्मेदार नागरिक हूँ और बरकत नगर में रहता हूँ। जिम्मेदार नागरिक होने के कारण मोहल्ले में होने वाली समस्याओं के बारे में बताना अपना परम कर्तव्य समझता हूँ अतः आपको बता रहा हूँ कि हमारे मोहल्ले में रोजना चोरी हो रही है और उससे आम लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

अतः आपसे निवेदन है कि इस समस्या की ओर ध्यान देकर उचित कार्य करें।

भवदीय,
कपिल

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र(6) **आलेख – बाल श्रम और उपेक्षित जीवन**

बालश्रम आज भारत की ही समस्या नहीं है बल्कि सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। इसको रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1986 में कुछ कानून बनाये तथा भारत में भी 1986 में बालश्रम को मिटाने के लिए कानून बनाये गये। उनमें किसी भी बच्चे से काम करना कानूनी अपराध माना गया, जो 14 वर्ष से कम आयु का हो।

बालश्रम के कारण बच्चे विद्यालय नहीं जा पाते तथा उन्हें दिन-भर कार्य करना पड़ता है। बालश्रम के शिकार मुख्यतः गरीब परिवारों के बच्चे होते है, उनसे अधिक काम लिया जाता है और कम मजदूरी दी जाती है। बालश्रम के कारण बच्चों को अपने माता पिता से दूर रहना पड़ता है, इसलिए उनका शोषण होता है और सम्पूर्ण जीवन उपेक्षित जीना पड़ता है।

एक सर्वेक्षण के अनुसार अधिकतर बच्चे कृषि क्षेत्र में कार्य करते है।

बालश्रम को मिटाने के लिए सरकार द्वारा अनेक प्रकार के प्रयास किये जा रहे है उनमें बाल संरक्षण आदि प्रमुख है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र(7) फीचर - आतंकवाद की छाया

"मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना,
मानव है हम, सीखे मानवता सहिष्णुता॥

आज आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है बल्कि सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। यह हर देश क्षेत्र में व्याप्त है। आतंकवाद मुख्यतः हिंसक तरीकों से अपनी बात को मनवाना है। आतंकवाद का मुख्य कारण — गरीबी, धर्म, जाति, क्षेत्रवाद आदि।

इस आतंकवाद के कारण ऐसी समस्या उत्पन्न हो रही है जिन्हें देख विद्वान ने सही कहा है—

"करते हैं हम, पतित जनों पर बहुधा पशु का आरोप,
करता है पशु वर्ग किन्तु क्या, निज निसर्गों का लोप
मैं मनुष्य को सुरत्व की जननी कह सकता हूँ,
किन्तु पतित को पशु कहना कभी नहीं सह सकता हूँ।

इस प्रकार यह आतंकवाद का कार्य पशु से भी बदतर है। इसे मिटाना आज संसार के लिए अति आवश्यक है।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र 1

(अ) यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ संकल्प करले तो वह कठिन से कठिन कार्य को आसान बना सकता हैं। वह इस संसार में प्रचलित बुराइयों को दूर कर सकता है तथा करोड़ो दीन-दुखियों को नया जीवन दिला सकता है तथा वह अपना अध्याय विश्व में जोड़ सकता है।

(ब) नवयुवकों से कठिन परिश्रम करने का आग्रह किया जा रहा है तथा इस संसार से बुराइयों को मिटाने तथा दीन दुखियों को नया जीवन दिलाने की आशा आग्रह किया जा रहा है।

(स) युवक यदि परिश्रम करे तो उसे अनेक लाभ हो सकते है- वह अपने जीवन को सुधार सकता है, देश को खुशहाल बना सकता है। उनके प्रभाव से दीन दुखियों को भी लाभ होता है, वे शोषण से मुक्त हो सकते हैं।

(द) "कहीं भी धूल में तुल फूल सोने के खिलाओगे" पंक्ति का भाव यह है कि नवयुवकों में इतनी शक्ति होती है कि वह किसी भी विषम परिस्थिति को बदल सकता है। और ऐसी भूमि जिस पर किसी प्रकार की फसल नहीं उगती उसे भी वह परिवर्तित कर उसमें फूल उगा सकता हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र(2)

(अ) स्थायी सुख और शान्ति तब प्राप्त की जा सकती है जब विभिन्न प्रकार के विवादों को बात चीत के माध्यम से ~~सुल~~ सुलझाया जाये तथा किसी भी स्थिति में युद्ध को रोकना तथा शत्रुता के स्थान पर मित्रता कायम करें। तथा अहिंसा का मार्ग अपनाये।

(ब) विश्व अशांति के अनेक कारण जिनमें युद्ध, तथा सबल राष्ट्र द्वारा निर्बल राष्ट्र की स्वतंत्रता का अपहरण करना, ऐसे कार्यों से अशांति होती है।
इसे दूर करने के लिए शत्रुता के स्थान पर मित्रता स्थापित कर सकते है। तथा अहिंसा का मार्ग अपना सकते है, आदि प्रयत्नों से अशांति को दूर किया जा सकता है।

(स) आज देश को युद्ध के स्थान पर शांति की स्थापना, शत्रुता के स्थान पर मित्रता, तथा अहिंसा पर चलने जैसी बातों की आवश्यकता है। इसके अलावा महापुरुषो जैसे- महावीर स्वामी, बुद्ध आदि की आवश्यकता है।

(द) देश के प्रति हमारे अनेक कर्तव्य होते हैं ~~जैसे~~ - देश से बुराइयों को दूर करते हैं, शांति स्थापित करते हैं तथा देश प्रेम का विस्तार आदि कर्तव्य हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र०3

निबंध — बढ़ती महँगाई : दुखद जीवन

निबंध के बिंदु :

(i) प्रस्तावना
(ii) मूल्य वृद्धि का अर्थ
(iii) मूल्य वृद्धि के प्रभाव
(iv) मूल्य वृद्धि के कारण
(v) निवारण के उपाय
(v) उपसंहार

इस स्थिति में निम्न ध्येय बनता है —

"भूखे भजन न होय गोपाला,
ले लो अपनी कंठी माला,"

(i) प्रस्तावना :—

आज हमारे देश में ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व इस समस्या का का सामना कर रहा है। इसे हम भाग्य की कमी या विडम्बना कहे कि आज देश में महँगाई इस स्तर पर पहुँच गयी है कि लोगों को दो जून का भोजन करना भी दुर्लभ हो गया है। इससे निर्धन लोगों पर धनी लोगों से ज्यादा प्रभावित प्रभाव पड़ता है —

"श्वानों को मिलता है दूध वस्त्र,
भूखे बालक अकुलाते हैं,
माँ की हड्डियों से चिपक ठिठुर,
जाड़े की रात बिताते हैं।"

"स्त्री के लज्जा वसन बेच, जब ब्याज चुकाये जाते है,
मालिक तब तेल फुलेलो पर, पानी सा द्रव्य बहाते है।"

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मूल्य वृद्धि का अर्थ →

मूल्य वृद्धि का अर्थ अपने देश की मुद्रा में गिरावट होना है इससे मुद्रा के मूल्य में कमी आ जाती है और वस्तुओं की कीमत बढ़ जाती है।

मूल्य वृद्धि के प्रभाव →

मूल्य वृद्धि बढ़ने से अनेक प्रभाव पड़ते है। लोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाते है। इसके लिए वे अनेक प्रकार से धन कमाना चाहते है और परिणाय स्वरूप भ्रष्टाचार बढ़ता है और समाज निम्न स्थिति में पहुँच जाता है—

"यह कैसा माया जाल रचा,
मानव को मानव खाता है,
अपने हित में राम बने तो,
सब करतब दिखलाता है।"

मूल्यवृद्धि के कारण :—

मूल्य वृद्धि के अनेक कारण है जिनमें से प्रमुख कारण निम्न है—

(i) मुद्रा का मूल्य गिरना।
(ii) जनसंख्या का तीव्र गति से बढ़ना।
(iii) भूमि की उर्वरक शक्ति का कम होना।
(iv) भ्रष्टाचार का बढ़ना।
(v) विक्रेता द्वारा अधिक धन कमाने की लालसा।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इस प्रकार हम कह सकते की महंगाई अनेक कारणों से बढ़ती है और इससे देश के मानवीय मूल्य समाप्त हो जाते है और फिर इसके लिए निम्न ध्येय बन जाता है—

"जिन्दगी को जरा आसान कीजिए,
खुद पीजिए और पीने दीजिये,
ईमान को जरा खूँटी से टाँगकर,
चैन से जीयो और जीने दीजिए।।"

मूल्य वृद्धि को कम करने के उपाय →

मूल्य वृद्धि को निम्न प्रकार से कम किया जा सकता है—

(i) जनसंख्या पर नियंत्रण करके।
(ii) भूमि की उर्वरकता को बढ़ाकर।
(iii) भ्रष्टाचार को कम करके।
(iv) राष्ट्र कल्याण की भावना रखकर।
(v) उत्पादन को बढ़ाकर।
(vi) खाद्यान्न फसलों को बढ़ाकर।

इस प्रकार के कार्य करके हम महंगाई को कम किया जा सकता है और जीवन को आसान बनाया जा सकता है।

उपसंहार :

अब हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है कि मूल्य वृद्धि में जीवन जीना आसान नहीं होता है इससे अनेक कठिनाइयों।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सामना करना पड़ता है इसलिए मैं परम पिता परमेश्वर से निवेदन करता हूँ की लोगों के जीवन में खुशहाली प्रदान करें।

"सर्वे भवन्तु सुखिन:, ~~सर्वे भद्राणि पश्यन्तु~~ सर्वे सन्तु निरामया:

~~मा कश्चित~~

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मॉ कश्चित दुःख भागभवेत्

| जय हिन्द, जय भारत |

3113615